मंगलवार
21 मई 2024

पृष्ठ 4

हरे सेब में शुगर की मात्रा कम होती...

पृष्ठ 5

अजय देवगन की फिल्म औरों में...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 111
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है।
– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लिव इन पार्टनर ही निकला महिला का हत्यारा, पत्नी सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर की खाई में मिले महिला के शव यानि हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया हैं। हत्यारा व्यक्ति मृतका के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहता था। कहीं और शादी हो जाने के बाद उसने ही मृतका से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या कर शव मनसा देवी मन्दिर की खाई में फेंक दिया था।

घटना का खुलासा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती 16 मई को मनसा देवी मंदिर के पास एक महिला का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मनसा देवी पैदल मार्ग से लगभग 100 मीटर आगे हिल बाई पास की तरफ महिला का शव लगभग 20 से 30 मीटर नीचे खाई में पड़ा था। जिस पर पुलिस व आमजन ने मिलकर शव को बाहर निकाला था। मृतका के हाथ पैर व मुंह पर खरोच के निशान थे। जिससे प्रथम दृष्टया माना जा रहा था कि उसकी हत्या हुई है। छानबीन के दौरान एक मोबाइल नंबर का पता चलने पर पुलिस ने उससे संपर्क किया और युवती की फोटो व्हाट्सएप पर भेजी। बात करने वाले शख्स ने अपना नाम मोनू कुमार बताया

और बताया कि महिला उसकी पत्नी थी। जिसका नाम पूजा पुत्री विजय मिश्रा निवासी धनसिया मधुबनी विहार है। युवक ने बताया कि वह दो साल पहले भाग गयी थी।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया पूजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने के कारण मौत की बात सामने आई। जिस पर पुलिस ने उसकी हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। इस दौरान सीसी कैमरे खंगालने पर पुलिस को पता चला कि घटना के दिन मृतका पूजा के साथ एक पुरूष, महिला व एक बच्चा आते हुए दिखाई दिये। लेकिन वापसी के समय संदिग्ध पुरूष, महिला और बच्चे के साथ पूजा मौजूद नही थी। हाथी पुल के पास चाय की दुकान के मालिक ने उक्त संदिग्ध के गुगल/फोन से भूगतान करने की जानकारी देते हुए यूपीआई आईडी उपलब्ध करायी गई। जिस पर पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान हुआ जलकर खाक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। औद्योगिक नगरी सिडकुल क्षेत्र में बीती देर रात एक फैक्टरी में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी फैल गयी। आग की लपेट उठती देखकर कर्मचारियों में भगदड़ मच गया, इस दौरान 20 से ज्यादा कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस व अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची जिन्होने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से लाखो का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

फैक्ट्री में आग लगने की यह घटना बीती रात करीब 10 बजे की है। जब पंखे और इनके पुर्जे बनाने वाली कंपनी केकेजी में संदिग्ध परिस्थितियों में भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और मौके पर अफरा-तफरी

फैल गयी। मामले की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही सिडकुल से तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची। इसके बाद मायापुर से भी तीन गाड़ियां मौके पर बुला ली गई। थाने से सटी कंपनी में तुरंत पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई और दमकल कर्मचारियों की टीमे आग बुझाने में जुट गई। बताया जा रहा है कि करीब रात 11.30 बजे तक दमकल कर्मियों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। मनीष सिसोदिया फरवरी 2023 से न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें दिल्ली की शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही थी, लेकिन कोर्ट ने इसे 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। मनीष सिसोदिया 14 महीनों से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में हैं। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा उनके खिलाफ दायर किए गए मामलों में जमानत मांगी थी। मनीष सिसोदिया के वकीलों ने कोर्ट में दलील दी है कि मनीष पिछले 14 महीनों से हिरासत में हैं। उनकी जमानत का ईडी-सीबआई लगातार विरोध कर रही है। ईडी का आरोप है कि मनीष सिसोदिया की आबकारी नीति में काफी अहम भूमिका थी। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप नेता संजय सिंह की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। हालांकि संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी, जिसके बाद वह जेल से बाहर आ गए।

एसआईटी करेगी स्वाति मालीवाल केस की जांच

नई दिल्ली। 'आप' राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए एसआईटी का गठन किया है। विशेष जांच दल का गठन बिभव कुमार की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद किया गया है जिसकी कमान अतिरिक्त डीसीपी (उत्तर) अंजिता चेप्याला कर रही हैं। वह जांच का जिम्मा संभाल रही हैं।

एसआईटी में तीन इंस्पेक्टर-रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं, उनमें सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन का अधिकारी भी शामिल है, जहां मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि एसआईटी अपनी जांच करने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले बीते सोमवार 20 मई को दिल्ली पुलिस

13 मई की सुबह हुई घटनाओं के क्रम के बारे में विवरण जानने के लिए बिभव कुमार को केजरीवाल के आवास के ड्राइंग रूम में ले गई, जहां उन्होंने कथित तौर पर मालीवाल के साथ मारपीट की थी।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने उनके सभी सवालों के जवाब सिलसिलेवार नोट किए, उनकी मैपिंग की और उस अपराध स्थल की तस्वीरें लीं, जहां एक घंटे तक अपराध हुआ था। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, चूंकि आरोपी और पीड़ित दोनों को घटनाओं को फिर से बनाने के लिए अपराध स्थल पर ले जाया गया था, इसलिए दोनों पक्षों द्वारा प्रदान किए गए आख्यानों का फिलहाल विश्लेषण किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने विभव कुमार के आवास का भी दौरा किया। मालूम हो कि स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाते हुए दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई की 13 मई 2024 को अरविंद केजरीवाल के घर में उनसे मारपीट की गई। यह मारपीट केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने की जिसकी पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। स्वाति का आरोप है कि केजरीवाल के घर में लगे सीसीटीवी से छेड़छाड़ की गई है और मारपीट वाले हिस्से को हटाया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मतदाताओं की उदासीनता

लोकसभा चुनाव में पांच चरण का मतदान हो चुका है। इन पांच चरणों के मतदान प्रतिशत को लेकर भले ही देश का निर्वाचन आयोग स्पष्ट आंकड़े बता पाने में अक्षम दिखाई दे रहा हो लेकिन इस बार के चुनाव में न तो कोई लहर दिखाई दे रही है और न ही सत्ता विरोधी रुझान नजर आ रहा है अगर कुछ दिखाई दे रहा है तो वह मतदाताओं का अपने इस सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार को लेकर उदासीनता जरूर दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर इस चुनाव में अब तक 5 से 6 फीसदी कम मतदान होने की बात कही जा रही है। खास बात यह है कि इस कम मतदान को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा अपने-अपने लिए फायदे का सौदा बताया जा रहा है। तमाम टीवी चैनलों और युटुयूबर भी इसे लेकर अपने-अपने अनुसार इसकी समीक्षाएं कर रहे हैं। अबकी बार किसकी सरकार और कौन बनेगा प्रधानमंत्री जैसे मुद्दों पर इन दिनों जमकर डिबेट हो रही है। हर चरण के मतदान के बाद इस बात की तो चर्चा हो ही रही है कि इस चरण में किसने मारी बाजी। लेकिन मतदान के गिरते प्रतिशत को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। यह हास्यास्पद ही है कि कम मतदान के कारणों में भीषण गर्मी को जिम्मेदार बताकर बात से पल्ला झाड़ा जा रहा है। लेकिन यह भी किसी के गले नहीं उतरने वाला है कि कल पांचवें चरण के मतदान में सबसे अधिक मतदान 73.49 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में हुआ। जहां कई सीटों पर यह 80 फीसदी तक भी पहुंचा। क्या पश्चिम बंगाल में गर्मी नहीं थी। कल उत्तर प्रदेश में 58 फीसदी और बिहार में 56 फीसदी के करीब मतदान हुआ वही महाराष्ट्र में तो यह प्रतिशत और भी कम रहा जो 54-55 फीसदी ही बताया गया है। सवाल यह है कि मतदाताओं में इस उत्साहहीनता के पीछे क्या कारण है उत्तराखंड की बात करें तो यहां पहले ही चरण में सभी पांच सीटों के लिए मतदान हुआ था। उस समय तो इतनी गर्मी भी नहीं थी फिर भी मतदान में 5 से 6 फीसदी तक की कमी देखी गई। 2019 में सभी पांच सीटों पर भाजपा जीती थी और अभी भाजपा सभी पांच सीटों पर जीत का दावा कर रही है। मतदान अगर एक दो प्रतिशत भी ऊपर नीचे होता है तो उसका चुनाव परिणामों पर असर लाजमी होता है लेकिन इस चुनाव में इसे भी नकारा जा रहा है। बात अगर नागालैंड की की जाए तो यहां 6 जिलों में मतदान का पूर्ण बहिष्कार किया गया किसी एक भी बूथ पर एक भी मत नहीं डाला गया। चार करोड़ मतदाताओं ने अपने अधिकार का प्रयोग नहीं किया। उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में लोगों ने अपनी समस्याओं का समाधान न होने के कारण वोट नहीं डाले। लेकिन इस पर कहीं कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। इस कम मतदान या घटे मतदान का किसे कितना नफा या नुकसान होगा किसकी कितनी सीटें कम होगी और किसकी कितनी सीटें बढ़ेगी इसकी सटीक जानकारी 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही मिल सकेगी। लेकिन लोकतंत्र में मतदान के प्रतिशत का क्या महत्व है इसे नकारा नहीं जा सकता है। मतदान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पन्ना प्रमुखों को समझा रहे थे कि उन्हें कैसे अपने बूथ तक कम से कम 75 फीसदी मतदाताओं को मतदान केंद्रो तक पहुंचाना है लेकिन लगता है कि भाजपा के कार्यकर्ता इस चुनाव में इस काम को ठीक से नहीं कर सके हैं। उत्तराखंड में 62 लाख मतदाताओं को वोट देने का संकल्प कराया गया लेकिन उसका कोई असर धरातल पर नहीं दिखा। आज अगर मतदाता घरों से मतदान के लिए कम संख्या में निकल रहे हैं या उनका रुझान कम हो रहा है तो यह लोकतंत्र के लिए चिंतनीय विषय है अगर चंद लोगों ने ही सरकार चुननी है तो फिर उस लोकतंत्र की कोई महत्व नहीं रह जाता है। लेकिन इस कम मतदान प्रतिशत के लिए राजनीतिक दल और उनके नेताओं की कार्यप्रणाली ही जिम्मेदार है। मतदाताओं की इस उत्साहीनता को बेवजह नहीं कहा जा सकता है।

छात्र की मौत पर एनएसयूआई ने कॉलेज प्रशासन पर लगाया आरोप

संवाददाता

देहरादून। एनएसयूआई ने छात्र की मौत पर कॉलेज प्रशासन पर फीस के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया। आज यहां भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष उदित थपलियाल के नेतृत्व में एस जी आर आर मेडिकल कॉलेज में 17 मई 24 को एमडी के छात्र दिवेश गर्ग की संदिग्ध हालात में मौत के संदर्भ में जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया। जिसमें उदित थपलियाल ने बताया कि

एस जी आर आर मेडिकल कॉलेज में बहुत समय से छात्रों के ऊपर कॉलेज प्रशासन द्वारा फीस को लेकर दबाव बनाया जा रहा था जिससे छात्र काफी लंबे समय से परेशान थे। इसी प्रकरण में एमडी के छात्र दिवेश गर्ग पर भी काफी लंबे समय से दबाव बनाया जा रहा था। महाविद्यालय के समस्त छात्र काफी लंबे समय से कॉलेज प्रशासन पर शोषण का आरोप भी लगाते आ रहे हैं। यदि प्रशासन द्वारा कॉलेज प्रशासन पर जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई नहीं को जाती है तो आने वाले समय में एनएसयूआई उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर शुभम नौटियाल, हरजोत सिंह, मोहमद करीम, लक्ष्य गोयल, अनुज राय, प्रज्वल शर्मा, आदित्य भेटवाल आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही के आगे का हिस्सा (भाग पांचवां)

●नरेन्द्र कठैत

सपने में देखा हम व्यवस्था को एक पत्र सौंप रहे हैं। जिसमें लिखा है कि- 'हमारे इलाके में बाघ,जंगली जानवरों इत्यादि का खतरा है-इसलिए इन झाड़ियों को काटें। अन्यथा किसी भी दुर्घटना के लिए आप जिम्मेवार होगें।' व्यवस्था ने वो पत्र गौर से पढ़ा और ये शब्द कहे- 'भाईयों! मेरे शहर के हितकारियों! अभी हमारे पास कर्मचारियों की भारी कमी है। जो हैं उन्हें शहर की साफ सफाई भी करनी है। और किसी को हम ठेका भी नहीं दे सकते!'

हम में से किसी ने पूछा-'किसी को ठेका क्यों नहीं दे सकते।

-'क्योंकि हमारे पास पैसे की तंगी है।'

इस बार किसी और ने कहा -'तंगी नहीं ये बोलो हमारी व्यवस्था निकम्मी है।'

कोई ये भी बोल गया -'फिर टैक्स क्यों लेते हैं?'

व्यवस्था ने इसका भी संतुलित जवाब दिया-'भाई साहब! उसी से तो हम आपका कूड़ा-कचरा उठाते हैं!'

-'क्या कहा कूड़ा-कचरा उठाते हैं?'

-'जी!'

-'कहां का कूड़ा-कचरा उठाते हैं?'

-'पूरे शहर भर का!'

-'झूठ! सरासर झूठ! आओ हम आपको दिखाते हैं!'

और सचमुच उन्होंने व्यवस्था को सड़क पर पड़ा कूड़ा दिखाया। जैसे व्यवस्था ने वैसे सबने देखा। मैं वहीं खड़ा था। और भली भांति जानता था कि यह वही कूड़ा है -जो वो सज्जन मेरे सामने ही बीच सड़क पर डाल गया था। व्यवस्था भी उस कूड़े को देखकर चिंता में पड़ गया। व्यवस्था ने कहा- 'सफाई कर्मी अगर सुबह इस सड़क की सफाई कर गया-तो ये कूड़ा सड़क पर कैसे पड़ा रह गया?'

-'पड़ा रह गया नहीं! ये कहो कूड़ा जहां था वो वहीं रह गया।

-'सफाई वाला आया ही नहीं होगा!' - एक ने ये भी कह दिया।

फिर तो चुप कोई नहीं रहा। हर कोई कुछ न कुछ कहता रहा- 'ये मण्डल मुख्यालय के हाल हैं, ये तो गम्भीर लापरवाही है, टैक्स देना ही बंद कर देते हैं, एक मिटिंग कर लेते हैं।' व्यवस्थापक ये सब चुपचाप सुनता रहा। लेकिन उनमें से एक सज्जन मुझसे ही पूछ बैठा- 'कहो! आप क्या कहते हैं?' मैंने सोचा - मैं उस घटना एकमात्र गवाह था। शायद ये कहीं और से देख रहा था। इसीलिए मुझसे पूछ रहा। मैंने वक्त की नजाकत को भांपते हुए संतुलित सा जवाब दिया- 'भाई साहब! ऐसे में, मैं या आप भी यही कर सकते हैं कि ये कूड़ा उठाकर कहीं और फैंक सकते हैं?'

वो तैश में आ गया- 'कहीं और कहां फेकेंगे? जहां आप फेकेंगे- वे फिर यहां फेकेंगे। फिर आप वहां फेकेंगे-वे यहां फेकेंगे। ऐसे में तो सब कूड़ा ही उठाते रहेंगे।'

बहस बेवजह आग न पकड़े इसलिए एक दो आदमी उन्हें उनके घर की ओर ठेलते हुए ले गए। व्यवस्था ने भी भीड़ विसर्जन से पहले दो टूक जवाब दिया- 'देखते है क्या हो सकता है!'

उसी शाम को इवनिंग वाक पर निकले मित्रों को कहते सुन रहा हूं कि वह कूड़ा उठ गया है। और अगले मॉर्निंग वाक पर देख रहा हूं कि सफाई कर्मी पुराना नहीं नया है। साफ देख रहा हूं झाड़ मेरे आगे खड़ा है। वो हिलते-डुलते कह रहा है- 'अब ये घर आधा तेरा, और आधा मेरा है!'

नींद से जागा तो देखा पूरा वदन पसीने से नहाया हुआ है। पास में ही 'विकास' का बाप खड़ा है। मुझे होश में आया देखकर 'विकास' के बाप ने कहा - 'आपको बहुत देर बाद होश आया है। बताइए आपके साथ क्या हुआ है?'

मैंने कहा- 'जो मेरे साथ सपने में घटा है वो किसी के साथ भी हो सकता है। सबके घर के आस-पास के झाड़ कटे हैं या नहीं ? घर-घर जाकर देखो !'

विकास के बाप ने पूछा - 'अगर न कटें हों तो?'

-'उन्हें कहो- काटो!'

-'और अगर वे मना कर दें तो?''

-'वे नहीं काटते तो आप उन्हें काटना शुरू करो!'

-'क्यों?'

-'क्योंकि आपका 'विकास' वहीं छुपा हो सकता है।'

यह सुनकर 'विकास' का बाप फिर चिंता में पड़ गया है। सोचो उसकी इस चिंता का हल कैसे होगा?

गढ़वाली भाषा के साहित्यकार, समालोचक दिवंगत भगवती प्रसाद नौटियाल जी का गांव गिरगांव पौड़ी शहर से लगभग सात किलोमीटर की पैदल दूरी पर है। एक बार उन्होंने अपने जीवन में घटित एक अजीबोगरीब किस्सा सुनाया।

दरअसल उनके पिता दिल्ली में नौकरी करते थे। उनके साथ रहकर ही बालक भगवती प्रसाद भी दिल्ली में ही अध्ययनरत थे। एक बार उनके पिता ने कहा कि गांव चलते हैं। वे पिता के साथ गांव आ गए।

पिता जब कई दिनों तक गांव में ही ठहरे रहे, तो परिजनों ने कहा कि आपको गांव में रहते-रहते बहुत दिन हो गए। आपके पास परिवार के भरण-पोषण का जिम्मा है-आप दिल्ली नौकरी पर जाइये। दूसरे दिन पिता तैयार हुए और बालक भगवती के साथ पैदल ही पौडी बस अड्डे की ओर चल पड़े। वे पहले भी कोटद्वार होकर दिल्ली पहुंचने के लिए यहीं से होकर जाते थे। वक्त पर पौड़ी बस अड्डे पर पहुंच भी गए।

बालक भगवती भी पिता के साथ ही बक्सा, गठरी लेकर वहीं किनारे बैठ गए। आते-जाते लोगों को देखते रहे।

बालक भगवती ने देखा बस आई, थोड़ी ठहरी। कंडक्टर ने कहा- 'कोटद्वार! दिल्ली! कोटद्वार! दिल्ली!'

सवारियां बैठी। और गेट सिस्टम के अनुसार वह बस कोटद्वार के लिए चल पड़ी।तमाम सवारियां जिन्हें जहां जाना था -चली गई। लेकिन पिता ने कहा ही नहीं-' भगवती! चल उठा बक्सा-गठरी!

दोपहर हुई। शाम ढली। पिता ने पुत्र भगवती से कहा- 'आज दिल्ली जाने की इच्छा हुई ही नहीं। आज यहीं ठहर लेते हैं ! कल चलेंगे दिल्ली!'

दूसरे दिन भी वही किस्सा हुआ- बस आई, थोड़ी ठहरी। कंडक्टर ने कहा- 'कोटद्वार! दिल्ली! कोटद्वार ! दिल्ली!' सवारियां बैठी। और उस दिन भी गेट सिस्टम के अनुसार- वह बस कोटद्वार के लिए चल पड़ी।

पिता उस दिन भी बस में चढ़ने का मन न बना सके। और दिन ढलते ही पिता ने फिर वैसे ही कहा- 'आज भी दिल्ली जाने की इच्छा नहीं हुई! अब कल ही चलेंगे दिल्ली!' उस दिन भी बालक भगवती को पिता के साथ बस अड्डे के पास ही होटल में रुकना पड़ा।

तीसरे दिन भी बस अड्डे पर पहुंची। लेकिन उस दिन भगवती के पिता ने कहा-'दिल्ली कुछ दिन बाद चलेंगे! चलो अभी वापस गांव चलते हैं।'

इस प्रकार दो दिन पौड़ी के बस अड्डे पर रहकर भी वे दिल्ली न पहुंच सके। और पिता के साथ गठरी सर पर रखकर वापस गांव लौट आए।

यूं गांव में फिर कई दिन गुजर गए। लेकिन पिता दिल्ली जाने के लिए टस से मस न हुए। परिवार के बुजुर्गों ने समझाया - 'आपका घर परिवार है। देखिए घर परिवार के हालत ठीक नहीं हैं। आप दिल्ली जाएं और नौकरी करें।'

पिता दूसरे दिन ही दिन दिल्ली जाने के लिए राजी हो गए। लेकिन बालक भगवती से कहा - 'इस बार पौड़ी अड्डे से होकर नहीं देवप्रयाग होकर चलेंगे!' और यूं दूसरे दिन बालक भगवती पिता के साथ सर पर गठरी उठाए देवप्रयाग की ओर चल पड़े। किंतु देवप्रयाग में भी ठीक वैसे ही हुआ - जैसे पौड़ी में हुआ। देवप्रयाग बस अड्डे पर कई बसें आई, ठहरी,सवारियां भरी। और चली गई। लेकिन दिल्ली जाने का पिता का मन ही न बना। और वहां भी बालक भगवती को उस दिन पिता के साथ किसी धर्मशाला में ठहरना पड़ा।

देवप्रयाग में अगले दिन सुबह ही पिता ने बालक भगवती को- इस बार भी अपना निर्णय सुना दिया- 'दिल्ली जाने का अभी मूड ही नहीं बन रहा। यहां रहकर भी कोई फायदा नहीं। चलो गांव लौटें!' पिता की आज्ञा के पालक भगवती इस बार भी सर पर गठरी लेकर गांव वापस आ गए। यूं छः माह गुजर गए।

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करेगा

रजनीश कपूर

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक क्लिप काफी चर्चा में थी। क्लिप में दिखाया गया कि तेलंगाना राज्य में एक गरीब सब्जी विक्रेता सडक़ के किनारे अपनी छोटी सी दुकान लगाए बैठी थी।

तभी एक रईसजादे ने उसके पीछे अपनी महंगी गाड़ी को कुछ इस तरह से पार्क कर दिया कि महिला की साड़ी का पल्लू गाड़ी के पिछले पहिये के नीचे दब गया। कुछ ही क्षण बाद जैसे ही महिला को इस बात का पता चला, तो वो गाड़ी मालिक से दुहाई करने लगी पर उसने एक न सुनी और एक भवन के अंदर चला गया। मजबूरी में उस महिला ने पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने भी काफी प्रयास किया कि उसकी साड़ी का पल्लू किसी तरह से पहिये से मुक्त हो जाए। लेकिन पुलिस जो उपाय खोजा वह काफी सराहनीय है।

पुलिस ने एक मिस्त्री बुलाया और गाड़ी में जैक लगा कर महिला के पल्लू को मुक्त करवा दिया। परंतु तेलंगाना की पुलिस ने इस मनचले को सबक सिखाने की भी सोची। पुलिस वाले उस गाड़ी के पहिये को उतरवा कर अपने साथ पुलिस थाने ले जाने लगे। जैसे ही गाड़ी का पहिया उतारा जा रहा था तभी वो मनचला हड़बड़ाता हुआ बाहर आया। पुलिस के इस एक्शन पर घबराहट में उनके पैरों में गिरने लगा। माफी मांगने लगा। परंतु पुलिस ने उसकी एक न सुनी और पहिया उतार कर अपने साथ थाने ले गई।

इस बिगड़े मनचले के पास सिवाय अपना सर खुजाने के और कोई उपाय न था। शायद वो इस तरह से गाड़ी पार्क करने से पहले इंसानों की तरह सोचता तो ऐसा न होता। परंतु पैसे के घमंड में चूर इसे कुछ दिखाई नहीं दिया। यदि यहां पुलिस उस व्यक्ति से उलझती तो वो अवश्य अपने पैसे और रु तबे की धौंस दिखाता। गौरतलब है कि इस पूरे वीडियो को सोशल मीडिया पर 'स्क्रिप्टेड वीडियो' या नाटकीय वीडियो कहा जा रहा है। परंतु जो भी हो वीडियो डालने वाले ने जो संदेश देना चाहा वह देश के अन्य राज्यों की पुलिस के लिए एक अच्छा उदाहरण बना।

चुनावों के मौसम में तेलंगाना के इस वीडियो क्लिप से भारत निर्वाचन आयोग को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। सोशल मीडिया पर शायद ही कोई राजनैतिक पार्टी होगी जिसने अपने चुनावी भाषण में किसी न किसी तरह से आचार संहिता और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के नियमों का उल्लंघन न किया हो। परंतु जिस तरह चुनाव आयोग एकतरफा कार्रवाई करते हुए दिखाई दे रहा है, उससे तो यही लगता है कि दोहरे मापदंड अपना रहा है। ईवीएम और वीवीपैट को लेकर चुनाव आयोग पहले से ही विवादों में है।

चुनावी भाषणों को लेकर आयोग की एकतरफा कार्रवाई एक बार फिर से पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन शेषण और उनके बाद नियुक्त हुए कुछ चुनाव आयुक्तों की याद दिलाती है, जो नियम-कायदों के पक्के माने जाते थे। चुनावों के मौसम में कोई राजनैतिक दल, चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, चुनाव आयोग से कभी नहीं उलझता था। परंतु बीते कुछ वर्षों में जिस तरह चुनाव आयोग की जगहंसाई हुई है उससे प्रतीत होता है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। फिर वो चाहे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के सुझावों की अनसुनी हो या किसी बड़े राजनैतिक दल द्वारा किए गए उल्लंघन की अनदेखी हो। चुनाव आयोग विवादों में बना ही रहा।

जब भी कभी कोई प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, तो उसका संचालन करने वाले शक के घेरे में न आएं इसलिए प्रतियोगिता के हर कृत्य को सार्वजनिक किया जाता है। आयोजक इस बात पर खास ध्यान देते हैं कि उन पर पक्षपात का आरोप न लगे। इसीलिए जब भी कभी आयोजकों को किसी कमी की शिकायत की जाती है या उन्हें कोई सकारात्मक सुझाव दिए जाते हैं तो यदि वे उन्हें सही लगें तो वे उन्हें स्वीकार लेते हैं। उन पर पक्षपात का आरोप भी नहीं लगता। ठीक उसी तरह स्वस्थ लोकतंत्र में होने वाली सबसे बड़ी प्रतियोगिता चुनाव हैं। उसके आयोजक यानी चुनाव आयोग को उन सभी सुझावों और शिकायतों को खुले दिमाग से और निष्पक्षता से लेना चाहिए।

चुनाव आयोग संविधानिक संस्था है, इसे किसी भी दल या सरकार के प्रति पक्षपाती दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि चुनाव आयोग ऐसे सुझावों और शिकायतों को जनहित में लेता है तो मतदाताओं के बीच भी सही संदेश जाएगा, कि चाहे ईवीएम पर गड़बडियों के आरोप लगें या आचार संहिता के नियमों का उल्लंघन की शिकायत हो, आयोग किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करेगा। जिस तरह पहले चरण के चुनावों में मतदान के प्रतिशत कम होने के बाद कुछ राजनैतिक दल घबराहट में गलतबयानी कर रहे हैं, चुनाव आयोग को इन सभी का स्वत संज्ञान लेना चाहिए और नियम अनुसार उचित कार्रवाई करनी चाहिए। यदि चुनाव आयोग किसी भी राजनैतिक दल को उसके कद और आकार को नजरअंदाज कर नियम-कायदे के अनुसार उस पर कार्रवाई करेगा तो जनता के बीच चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। मतदाता को भी वोट करने पर गर्व होगा। यदि चुनाव आयोग ऐसा करता है, तो आने वाले शेष चरणों में हो सकता है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ भी जाए।

सचिव स्वास्थ्य ने श्री केदारनाथ धाम यात्रा की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। सचिव स्वास्थ्य/ प्रभारी सचिव (यात्रा) डॉ आर राजेश कुमार ने केदारनाथ धाम में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से की गई तैयारियों एवं सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां तीन दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य/ प्रभारी सचिव (यात्रा) डॉ आर राजेश कुमार ने केदारनाथ धाम में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से की गई तैयारियों एवं सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। स्लाइडिंग जोन सिरोबगड़ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि सिरोबगड़ से ही जनपद की सीमा प्रारंभ हो जाती है तथा ये क्षेत्र अति-संवेदनशील है। ऐसे में हल्की वर्षा में भी मलबा आने से मार्ग बाधित हो जाता है। इसके लिए उन्होंने समुचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को उन्होंने निर्देश दिए कि केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं का यदि स्वास्थ्य खराब हो जाता है तो उनका प्राथमिकता पर उपचार किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए चारों धामों में 180 चिकित्सक तैनात किये गए हैं। प्रभारी सचिव ने यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था के निर्देश नगर पालिका, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत को दिए। इसके साथ ही जल संस्थान को यात्रा मार्ग एवं यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर उचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के भी निर्देश दिए। विद्युत विभाग को भी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. सौरव गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक बधाणे ने सचिव से जीएनवीएन में मुलाकात की।

जिलाधिकारी ने केदारनाथ दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों के लिए जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक बधाणे ने सुव्यवस्थित यात्रा संचालित करने के लिए बनाए गए ट्रैफिक प्लान के संबंध में जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एच.सी.एस मर्तोलिया ने अवगत कराया कि केदारनाथ यात्रा के लिए पांच चिकित्सा अधिकारी,एक फिजिशियन अन्य जनपदों से तैनात किए गए हैं तथा जनपद रुद्रप्रयाग से नौ चिकित्सा अधिकारी और एक आर्थो डॉक्टर तैनात हैं। अन्य जनपदों के 19 फार्मासिस्ट और 2 जनपद रुद्रप्रयाग तथा 8 स्वास्थ्य चिकित्सक और 5 कनिष्ठ चिकित्सक तैनात किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक डॉ. अमित शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी जी.एस खाती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.सी.एस मर्तोलिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मनोज बडोनी, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिड़ियाल, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग निर्भय सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग कुशवंत सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम नवल कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुरील, सहायक अभियंता जल संस्थान रेवत सिंह रावत, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल, डॉ आशुतोष सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तरांचल दैवी आपदा पीड़ित सहायता समिति को दिये 2 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने उत्तरांचल दैवी आपदा पीडित सहायता समिति को दो लाख रूपये की आर्थिक सहयोग किया।

आज यहां विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने उत्तराचंल दैवी आपदा पीड़ित सहायता समिति को रुपये दो लाख का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। ऋतु खण्डूड़ी ने कहा कि उत्तरांचल दैवी आपदा पीड़ित सहायता समिति के प्रसिद्ध भूगोल वेता श्रदेय डा० नित्यानंद जी की प्रेरणा से सन् 1991 से उत्तरकाशी में आये विनाशकारी भूकंप के बाद शिक्षा, स्वास्थ, व स्वरोजगार के अनेक प्रकल्प उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण अचंलो में संचालित कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष खण्डूड़ी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि समिति उत्तराखंड के चारों धामों में भी यात्रीयों को स्वास्थ्य सुविधा के साथ सेवा आश्रम मनेरी के द्वारा आवास सुविधा भी उपलब्ध कराती है। साथ ही संस्था अपने माध्यम से बाढ़ भूस्खन, अग्नि व अन्य दैवी आपदाओं के समय जरूरतमंदों का सहयोग किया जाता है।

समिति के अध्यक्ष मदन सिंह चौहान ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तार से अवगत कराया। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने संस्था द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की सहराना व हर्ष व्यक्त करते हुये भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया।

माकपा का अभियान 20 हजार हस्ताक्षर एकत्र कर मुख्यमंत्री को भेजेंगे

संवाददाता

देहरादून। बस्तियों के निर्यामितीकरण के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने अभियान चलाते हुए 20 हजार हस्ताक्षर एकत्रित कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेंजेगे।

आज यहां बस्तियों के नियमितीकरण के लिऐ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने 16 मई जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन के बाद बस्तियों से 20 हजार हस्ताक्षर एकत्र कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। इस अभियान के तहत पार्टी ने बस्तियों मे प्रभावितों के मध्य जाकर पर्चा वितरण किया गया तथा उनसे हस्ताक्षर एकत्रित करने के अभियान की शुरुआत कर जो लगभग एक सप्ताह चलेगा। अभियान में प्रभावितों को समझाया गया। माकपा का कहना है कि अपने ही

वादों के अनुसार सरकार तुरंत बेदखली की प्रक्रिया पर रोक लगाए। कोई भी बेघर न हो, इसके लिए या तो सरकार अध्यादेश द्वारा कानूनी संशोधन करे या कोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाये। 2018 का अधि नियम में संशोधन कर जब तक नियमितीकरण और पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी नहीं होगी और जब तक मजदूरों के रहने के लिए स्थायी व्यवस्था नहीं बनती, तब तक बस्तियों को हटाने पर रोक लगे। इसके साथ ही दिल्ली सरकार की पुनर्वास नीति को उत्तराखंड में भी लागू किया जाये। एलिवेटेड रोड़ के नाम पर रिस्पना तथा विन्दाल नदी घ्बसी बस्तियों को उजाड़ना बन्द हो। अभियान में पार्टी सचिव अनन्त आकाश, सचिव मण्डल सदस्य पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष लेखराज, एस एफ आई अध्यक्ष नितिन मलेठा, महामंत्री हिमान्शु चौहान, शैलेन्द्र, सीटू उपाध्यक्ष भगवन्तं पयाल, रविंद्र नौडियाल, अभिषेक भंडारी, महिला समिति सचिव सीमा लिंगवाल, उपाध्यक्ष बिन्दा मिश्रा, कुसुम नौडियाल, प्रभा, बबिता अनन्त, विप्लव अनन्त, अनामिकाराज, राजेन्द्र शर्मा, शबनम, नरेंद्र सिंह, शान्ति प्रसाद, मामचन्द आदि बडी संख्या में लोग शामिल थे। अभियान डी. एल रोड़, नालापानी रोड़, कण्डोली, बारीघाट नगर, मालसी, काठ बंगला, आदि क्षेत्रों में चलाया गया।

दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते मामले चिंताजनक

अमित बैजनाथ गर्ग

गैर संचारी रोग यानी कि एनसीडीज के तहत आने वाले कैंसर को लेकर लैंसेट कमीशन की ओर से हालिया जारी नई रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और 2040 तक हर साल इससे 10 लाख महिलाओं की मौत होने का खतरा है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि 2020 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 78 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था, जबकि उसी साल इस बीमारी से करीब 6.85 लाख महिलाओं की मौत हो गई थी। रिपोर्ट कहती है कि दुनियाभर में औसतन हर 12 महिलाओं में से एक को 75 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा रहता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2020 में दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के 23 लाख मामले सामने आए थे, जो 2040 तक बढ़कर 30 लाख से अधिक हो सकते हैं।

असल में कैंसर की बीमारी से दुनियाभर में होने वाली मौतें दूसरे स्थान पर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में हैं। साल 2022 में दुनिया में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं, जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं, भारत में सालाना बढ़ते कैंसर के मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। कैंसर से भारत में साल 2020 में 7.70 लाख, 2021 में 7.89 लाख और 2022 में 8.08 लाख रोगियों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या साल 2022 में 14.61 लाख रही। वहीं 2021 में यह 14.26 लाख और 2020 में 13.92 लाख रही। भारत के हर 10 में से एक व्यक्ति अपने पूरे जीवनकाल में कैंसर से जूझता है और 15 में एक की मृत्यु इस बीमारी से हो जाती है। भारत में हर साल करीब 15 लाख कैंसर से जुड़े मामले रिपोर्ट किए जाते हैं।

आखिर कैंसर क्या है? असल में शरीर में होने वाली असामान्य और खतरनाक स्थिति, जिसमें कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि होती है, उसे कैंसर कहते हैं। हमारे शरीर में कोशिकाओं का लगातार विभाजन होना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिस पर शरीर का पूरा नियंत्रण रहता है, लेकिन जब किसी विशेष अंग की कोशिकाओं पर शरीर का नियंत्रण नहीं रहता है, तो वे असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। इसे ही कैंसर कहा जाता है। ज्यादातर कैंसर ट्यूमर के रूप में होते हैं, लेकिन ब्लड कैंसर के मामले में ट्यूमर नहीं होता है। एक बात यह भी ध्यान रखने योग्य है कि हर ट्यूमर कैंसर नहीं होता है। भारत में कैंसर के प्रकार में छह तरह के कैंसर ज्यादा होते हैं, जिसमें फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, पेट का कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल है।

आसान शब्दों में कहें तो कैंसर शरीर में होने वाली असामान्य स्थिति है, जिसमें कोशिकाएं असाधारण रूप से बढ़ने लगती हैं और बढ़ी हुई चर्बी की एक गांठ बन जाती है, जिसे ट्यूमर कह सकते हैं। यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। आमतौर पर कैंसर में होने वाले ट्यूमर दो तरह के होते हैं। पहला बिनाइन ट्यूमर और दूसरा मैलिग्नैंट ट्यूमर। मैलिग्नैंट ट्यूमर शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलता है, जबकि बिनाइन नहीं फैलता है। सभी कैंसर के लक्षण उसके प्रकार और स्थान के अनुसार अलग-अलग होते हैं, लेकिन कुछ अन्य लक्षण भी हैं, जो देखे जा सकते हैं जैसे शरीर का वजन अचानक कम होना या बढ़ना, ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होना, त्वचा में गांठ बनना या रंग में बदलाव होना, पाचन संबंधी समस्या, कब्ज या दस्त होना, आवाज बदलना, जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द, घाव ठीक होने में समय लगना, भूख कम लगना, लिम्फ नोड्स में सूजन आदि।

यूं तो कैंसर होने के पीछे कोई ज्ञात कारण नहीं है, लेकिन कुछ पदार्थ जिन्हें कार्सिनोजन कहा जाता है, वे प्रमुख कारणों में से एक हैं। ये कारक कैंसर होने की संभावना को बढ़ाते हैं। कैंसर के प्रमुख जोखिम कारकों में तंबाकू या उससे बने उत्पाद जैसे सिगरेट, गुटखा या चुइंगम आदि का लंबे समय तक सेवन फेफड़े या मुंह के कैंसर का कारण बन सकता है। लंबे समय तक शराब पीना लिवर कैंसर को बढ़ावा देता है। साथ ही शरीर के अन्य कई हिस्सों में कैंसर के खतरे को बढ़ावा देता है। कैंसर के लिए जीन भी एक प्रमुख कारण है। यदि परिवार में किसी को कैंसर का इतिहास है, तो इस बीमारी के होने की संभावना ज्यादा होती है। वायरस जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं, उनमें हेपेटाइटिस बी और सी होते हैं, जो 50 प्रतिशत तक लिवर कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। साथ ही ह्यूमन पैपिलोमा वायरस 99.9 प्रतिशत मामलों में सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। अनहेल्दी फूड्स या रिफाइंड खाद्य पदार्थ, जिनमें फाइबर की मात्रा कम होती है, वे कोलन कैंसर की संभावना को बढ़ाते हैं। बार-बार एक्स-रे करवाने के कारण भी रेडिएशन के सम्पर्क में आने से कैंसर होने के खतरे को बढ़ावा मिलता है। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हरे सेब में शुगर की मात्रा कम होती है

सेब को लेकर एक कहावत काफी मशहूर है कि एक सेब आपको डॉक्टर से दूर रखता है। इसमें कई सारे पोषक तत्व होते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण और विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन के, फाइबर, मिनरल और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं। ये आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभाकारी है। सेब कई रंग के होते हैं जैसे हरा और लाल आदि। हरे सब में भी लाल सेब की तरह पोषक तत्व होते हैं। हरे सेब में शुगर की मात्रा कम होती है। इसका स्वाद खट्टा और मीठा होता है। ये सेब आपकी सेहत के लिए कैसे लाभकारी है आइए जानें।

मेटाबॉलिस्म बढ़ाता है-हरे रंग के सेब में मौजूद उच्च फाइबर मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। उच्च फाइबर पाचन तंत्र स्वस्थ रखता है। इससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है तो मेटाबॉलिज्म बढ़ता है।

लीवर के लिए अच्छा है-हरे रंग के सेब में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये नेचुरल डिटॉक्सिफाइंग एजेंट के रूप में काम करते हैं। ये आपके लीवर को हेपेटिक स्थितियों से बचाते हैं। हरे सेब को छिलके सहित खा सकते हैं। हरे रंग का सेब लीवर और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। ये इंटेस्टाइन सिस्टम को साफ रखता है।

हड्डियों को मजबूत करता है-कैल्शियम मजबूत हड्डियों के लिए जरूरी है। खासतौर पर महिलाओं को हड्डियों के पतले होने और कमजोर होने का खतरा रहता है। मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को अपने आहार में हरे सेब को शामिल करना चाहिए। हरा सेब ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है।

मोटापा और वजन कम करने में मदद करता है-हरा सेब फाइबर से भरपूर फल है। ये वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। हरे सेब में शुगर कम होता है। इसमें अधिक मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो वजन कम करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन च ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू रखता है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है-हेल्दी डाइट में हरे सेब को शामिल कर सकते हैं। ये हृदय प्रणाली में सुधार करते है। घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है। ये स्ट्रोक के जोखिम को कम करता है। अध्ययन के अनुसार हरे सेब खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकते हैं। आप उच्च कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित हैं, तो अपने आहार में हरे सेब को शामिल कर सकते हैं।

त्वचा के लिए लाभदायक- हरे सेब आपकी त्वचा को निखारने और हेल्दी रखने के लिए बेहतरीन तरीके से काम करते हैं। अगर आप बेदाग त्वचा चाहते हैं तो हरे सेब का सेवन कर सकते हैं।

पंखे को साफ करें बिना स्टूल के, जानें यह खास तरीका क्या है?

अक्सर पंखे की सफाई करने के लिए हमें स्टूल या सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता है, जो कि कभी-कभी खतरनाक भी होता है. लेकिन अगर आपको ऐसा तरीका मालूम हो जो सेफ भी हो और आपके पंखे को आसानी से साफ भी कर दे, तो कितना अच्छा होगा. आज हम आपको बताएंगे खास तरीके जिससे आप बिना स्टूल या सीढ़ी के अपने पंखे को साफ कर सकते हैं. यह तरीका न सिर्फ सेफ है, बल्कि इससे आपका समय भी बचेगा और पंखे अच्छे से साफ हो जाएगा. आइए जानते हैं यहां..

फैन क्लीनर स्टिक का उपयोग करें

फैन क्लीनर स्टिक एक लंबे हैंडल वाला डस्टर होता है, जिसमें एक सिरे पर कपड़ा लगा होता है. यह बाजार में आसानी से उपलब्ध है और इसकी मदद से आप बिना ऊंचाई पर चढ़े पंखे के ब्लेड्स को अच्छी तरह से साफ कर सकते हैं.

एक बाउल में आधा कप तेल और नमक का मिश्रण बनाएं. इस मिश्रण को एक बाल्टी पानी में मिला लें और फैन क्लीनर स्टिक को इसमें भिगो दें. फिर इस स्टिक से पंखे के ब्लेड को साफ करें और बाद में साफ पानी से पोंछ दें. इससे आपका पंखा बिलकुल साफ हो जाएगा.

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग

वैक्यूम क्लीनर भी पंखे की सफाई में मदद कर सकता है. वैक्यूम का हैंडल पकड़ें और इसे पंखे के नीचे लेकर जाएं. धूल और गंदगी वैक्यूम में चली जाएगी और आपका पंखा साफ हो जाएगा.

लंबे हैंडल वाला डस्टर आपके पंखे की पंखुड़ियों तक आसानी से पहुंच सकता है. डस्टर को पंखे की पंखुड़ियों पर फिराएं ताकि सारी धूल हट जाए.

डस्टिंग के बाद, माइक्रोफाइबर क्लॉथ को सफाई के स्प्रे से गीला करें और पंखुड़ियों को अच्छी तरह से पोंछें. यह कपड़ा धूल के कणों को अच्छी तरह से पकड़ लेगा और आपके पंखे को चमका देगा.

शब्द सामर्थ्य - 86

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

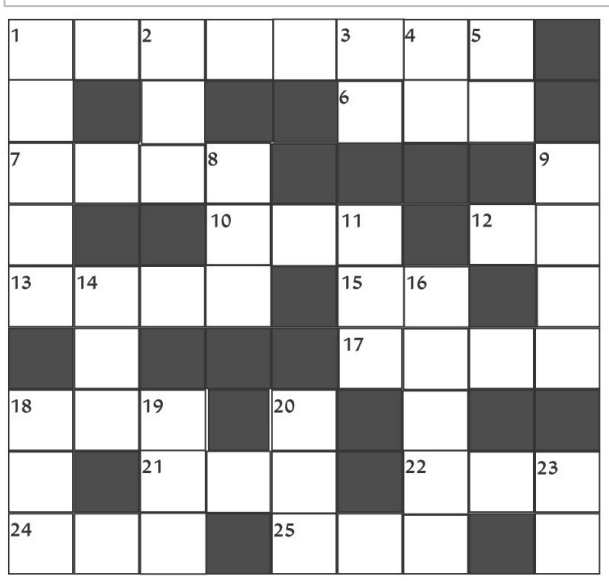

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 85 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

हीरामंडी में इंटीमेट सीन की वजह से इस परेशानी का शिकार हुई श्रुति शर्मा

एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार में 'साइमा' के किरदार से लाखों दिल जीत लिए हैं। उनकी सादगी, शान और गायन कौशल ने उनके फैंस के मन में एक खूबसूरत जगह बना ली। हालाँकि, उनके काम की बात करें तो श्रुति ने 2019 में टेलीविजन् सीरीज़ गठबंधन से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इससे पहले, एक्ट्रेस 2018 में रियलिटी शो इंडियाज़ नेक्स्ट सुपरस्टार्स में एक कंटेस्टेंट के तौर पर दिखाई दी थी। इसके बाद, वह 2021 में रिलीज़ हुई हिंदी फ़िल्म पगलैट में नज़र आईं और अबू धाबी टेलीविजन् के साथ अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी काम किया। अब, हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में, श्रुति शर्मा ने हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार में डायरेक्टर, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव का खुलासा किया। खैर, साइमा के किरदार के बारे में बात करते हुए, वह 'मल्लिकाजान' (मनीषा कोइराला) की बेटी, 'आलमज़ेब' (शर्मिन सहगल) की एक खास नौकरानी के रूप में दिखाई देती हैं। उसी बातचीत में, श्रुति ने संजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बहुत कुछ बताया। फिर, उनसे उनके और रजत कौल के बीच रोमांटिक सीन के बारे में भी पूछा गया, जिन्होंने 'इकबाल' (मल्लिकाजान के गाड़ीवान) का किरदार निभाया था। सीन में, वे दोनों रोमांटिक रूप से शामिल होते हुए बातचीत करते हैं। हालाँकि, यह सब एक घोड़े के अस्तबल में किया गया था, और उन्हें सूखी घास से भरी गाड़ी पर लुढ़कना था। इसी बारे में बात करते हुए, श्रुति ने बताया कि उनके और रजत कौल के बीच अंतरंग सीन की शूटिंग पूरे एक दिन तक चली थी। इसलिए, फिल्मांकन के बाद, उनके शरीर पर लाल निशान आ गए, और उनका काजल धूल और गंदगी से सना हुआ था। हालाँकि, फिर भी, यह सीन उनके दिल में एक खास जगह रखता है।

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में की रिलीज डेट आई सामने

बड़े मियां छोटे मियां फ्लॉप होने के बीच अक्षय कुमार की नई कॉमेडी फिल्म खेल-खेल में की रिलीज डेट का एलान हो गया है। लगातार फ्लॉप देने के बाद भी खिलाड़ी कुमार की झोली में कई फिल्में हैं। अभिनेता अब अपनी आगामी फिल्म खेल-खेल में को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अक्षय कुमार इस फिल्म से एक बार फिर अपनी कॉमिक जोन में एंट्री करने जा रहे हैं। इस बार स्क्रीन पर उनका साथ अभिनेता फरदीन खान देने वाले हैं। खेल-खेल में अक्षय अपने पुराने कॉमिक जोनर में नजर आने वाले हैं। ऐसे में उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को एक बार फिर खिलाड़ी कुमार से कनेक्ट कर पाएगी। वहीं, बीते दिन भूल भुलैया के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने भी अक्षय कुमार के साथ एक हॉरर फैंटेसी फिल्म पर मुहर लगाई है। बता दें कि अक्षय की यह कॉमिक फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म मेकर्स टी-सीरीज ने अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, फरदीन खान, वाणी कपूर, पंजाबी एक्टर और सिंग एमी वर्क और प्रज्ञा जायसवाल स्टारर इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म की स्टार कास्ट संग एक तस्वीर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट पर मुहर लगा दी है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस में उत्साह देखा जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय के डूबते करियर को अब आप ही सहारा दे सकते हैं फरदीन। दूसरे यूजर ने लिखा, फरदीन एक के बाद एक अब स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। एक और यूजर ने लिखा, खिलाड़ी कुमार को फिर से पुराने अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

सुनील शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी पूजा भट्ट

अभिनेत्री पूजा भट्ट हाल ही में जल्द ही लायंसगेट इंडिया के नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसे लेकर वह बेहद उत्सुक हैं। इसमें पूजा भट्ट के साथ सुनील शेट्टी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसमें दोनों एक बार फिर से साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले दोनों साथ में मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर में साथ दिखाई दिए थे। पूजा ने अपने नए प्रोजेक्ट की झलक साझा करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी है। पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लायंसगेट इंडिया के साथ मेरे अगले प्रोजेक्ट की एक झलक। उन्होंने सुनील शेट्टी को टैग करते हुए आगे लिखा, आपके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। अभिनेत्री ने लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट से ये तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में पूजा काले रंग की साड़ी में कैमरे के सामने खड़ी हुई नजर आ रही हैं। वहीं सूत्रों के मुताबिक, लायंसगेट की धमाकेदार नई एक्शन थ्रिलर में पूजा भट्ट आयरन लेडी के किरदार में नजर आ सकती हैं। वह इसमें एक मजबूत महिला भूमिका का किरदार निभाएंगी। लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट और सुनील शेट्टी के साथ फिर साथ काम करने को लेकर पूजा भट्ट काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा सशक्त महिलाओं को स्क्रीन पर निभाने का सौभाग्य मिला है। मैंने इसे चुना है। मैं इस किरदार की शक्ति, गहराई और सहानुभूति के कारण तुरंत इसकी ओर आकर्षित हो गई। वह जिस चीज में विश्वास करती है, उसके लिए स्टैंड लेने और चुनौतियों का डटकर सामना करने की उसकी क्षमता एक ऐसी चीज है, जिससे मैं व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ती हूं। दर्शकों द्वारा इस नए अवतार को देखने का अब और इंतजार नहीं किया जा सकता है।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहाँ दम था को मिली नई रिलीज डेट

हाल ही में बोनी कपूर की फिल्म मैदान में नजर आए अजय देवगन की इस वर्ष की 3री प्रदर्शित होने वाली फिल्म औरों में कहाँ दम था एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई है। इस फिल्म के जरिये निर्देशक नीरज पांडे लम्बे समय बाद बतौर निर्देशक वापसी करने जा रहे हैं। दर्शकों को ए वडनेसडे, बेबी, नाम शबाना, अय्यारी सरीखी फिल्में देने वाले नीरज पांडे ने अपनी इस फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू को मुख्य भूमिका में लिया है।

अजय देवगन तीन दशक से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। आज भी प्रशंसकों में अजय के लिए गजब का क्रेज है। निर्माता निर्देशकों के बीच उनकी जबरदस्त माँग बनी हुई है। इस साल अजय की दो फिल्में-शैतान और मैदान रिलीज हो चुकी हैं। आर माधवन के साथ आई फिल्म 'शैतान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। हालांकि ईद (11 अप्रैल) पर रिलीज हुई फिल्म 'मैदान' धूल चाट गई।

अब अजय की एक और फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर समाचार आ रहे हैं। प्राप्त समाचारों के अनुसार फिल्म को नई रिलीज डेट मिली है। पहले यह फिल्म 26 अप्रैल को ही प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन लगातार दो महीने में तीन फिल्मों का एक साथ प्रदर्शित होना निर्माताओं को सही नहीं लग रहा था। अजय की इससे पहले शैतान 8 मार्च और मैदान 11 अप्रैल को प्रदर्शित हुई थी। अब औरों में कहाँ दम था को 5 जुलाई को सिनेमाघरों में उतारा जाएगा। निर्देशक नीरज पांडे की इस फिल्म में अजय के साथ तब्बू लीड रोल में है। दोनों इससे 'विजयपथ', 'हकीकत', 'तक्षक', 'फितूर', 'दृश्यम', 'गोलमाल अगेन', 'दे दे प्यार दे', 'दृश्यम 2' और 'भोला' सहित कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। यह एक एपिक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो 2000 और 2023 के बीच सेट है। फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजेरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी हैं। फिल्म एक एपिक के साथ अनूठी म्यूजिकल लव स्टोरी है। इसे कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का ओरिजनल साउंडट्रैक म्यूजिक डायरेक्टर एमएम क्रीम ने तैयार किया है। फिल्म शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक (पैनोरमा स्टूडियोज) द्वारा निर्मित है।

नेहा मलिक ने एनिमल प्रिंटेड बिकनी पहन स्विमिंग पूल में लगाई आग

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं जिसे देखने के बाद आपके होश उडने् वाले हैं. नेहा मलिक ने एनिमल प्रिंटेड बिकनी पहनी है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और कैमरे के स्विमिंग पूल के किनारे सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की हॉटनेस

ने फैंस को दीवाना बना दिया है साथ ही एक्ट्रेस के किलर पोज देख फैंस का हाल बेहाल हो गया है. भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर अपने लुक के वजह से सोशल मीडिया पर छाई रहती है. नेहा की गिनती भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट और बोल्ड एक्ट्रेस में होती है. अपनी तस्वीरों के वजह से एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लाइमलाइट लूट लेती हैं. आज एक बार फिर नेहा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है.

साथ ही वे एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

बाहुबली स्टार प्रभास ने बहुप्रतीक्षित फिल्म कन्नप्पा की शूटिंग की शुरू

फिल्म निर्माता और साउथ अभिनेता विष्णु मांचू अपनी महत्वकांक्षी परियोजना कन्नप्पा फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कन्नप्पा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले, निर्माताओं ने खुलासा किया कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। वहीं अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है, जो फिल्म के कलाकार प्रभास को लेकर है। यूं तो प्रभास के किरदार पर कई अपडेट आ चुके हैं, लेकिन अब उनकी शूटिंग के बारे में नया अपडेट सामने आया है।

फिल्म में अक्षय कुमार अपने हिस्सा के दृश्य शूट कर चुके हैं और अब बारी है प्रभास की। प्रभास अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर व्यस्त हैं। अब उन्होंने अपनी दूसरी फिल्म के लिए समय निकाला और कन्नप्पा के शूटिंग सेट पर पहुंच चुके हैं। जी हां, प्रभास अब कन्नप्पा की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। इसकी घोषणा खुद विष्णु मांचू ने की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रभास के लुक को लेकर भी फैंस के साथ बड़ी जानकारी साझा की।

विष्णु ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर घोषणा की है कि पैन इंडिया

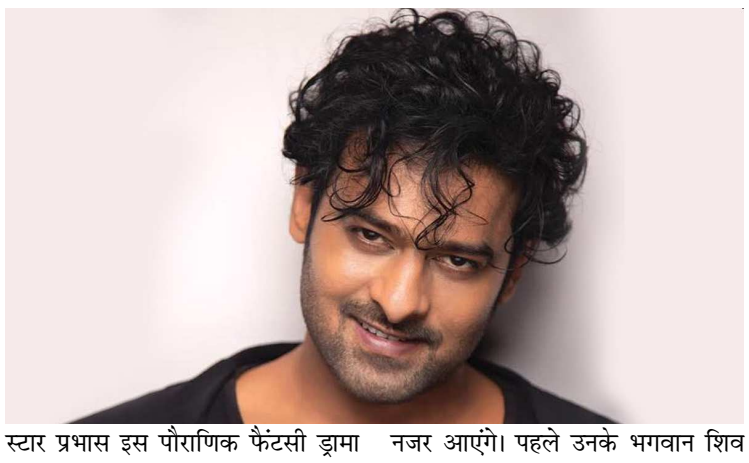

स्टार प्रभास इस पौराणिक फैंटसी ड्रामा की शूटिंग में शामिल हो गए हैं। प्रभास के पैरों को प्रदर्शित करने वाले एक प्री-लुक पोस्टर का अनावरण किया गया। प्रभास के लुक की छोटी सी झलक दी गई है, जिसमें उनके पैरों की झलक है। यह प्रभास के सभी प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छी खबर है। हालांकि, प्रभास की भूमिका के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है।

इससे पहले विष्णु ने बताया था कि अक्षय ने शूटिंग पूरी कर ली है। साथ ही उन्होंने अक्षय के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव भी साझा किया था और अक्षय के साथ अपनी तस्वीरें भी साझा की थीं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। पहले उनके भगवान शिव की भूमिका निभाने की चर्चा थी, लेकिन वे पहले से ही कल्कि 2898 एडी में इस किरदार को निभा रहे हैं तो ऐसे में वे किसी भी तरह का दोहराव नहीं चाहते हैं।

कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी। कन्नप्पा में प्रभास, मोहनलाल, शिवराज कुमार, नयनतारा, कृति सेनन, तमन्ना भाटिया, काजल अग्रवाल, आर सरथकुमार, ब्रह्मानंदम अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। इस फिल्म का निर्माण 24 फ्रेम्स फैक्ट्री कर रही है। कृति को भी फिल्म में दमदार भूमिका मिली है।

ऊर्जा संयंत्रों ने रोकी शर्मीले गोडावण की उड़ान

प्रकाश चंद्र शर्मा

राजस्थान के शुष्कघासीय और मरुस्थलीय जिलों में पाया जाने वाला शर्मीला पक्षी गोडावण सरकारी स्तर पर राज्य पक्षी घोषित होने के बावजूद संकट में है। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में विभिन्न कम्पनियों द्वारा लगाए गए पवन और सौर ऊर्जा संयंत्र उड़ने वाले पक्षियों में विश्व में सबसे भारी इस पक्षी की स्वैच्छिक उड़ान में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पहले यह पक्षी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि कुछ राज्यों के घास के मैदानों में व्यापक रूप से पाया जाता था किंतु अब यह पक्षी बहुत कम जनसंख्या के साथ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और संभवत- मध्यप्रदेश राज्यों में ही पाया जाता है। आईयूसीएन की संकटग्रस्त प्रजातियों पर प्रकाशित होने वाली लाल डाटा पुस्तिका में इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त श्रेणी में तथा भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-1 में रखा गया है। इस विशाल पक्षी को बचाने के लिए राजस्थान सरकार ने एक प्रोजेक्ट शुरू किया था। इस प्रोजेक्ट का विज्ञापन मेरी उड़ान न रोकें जैसे मार्मिक वाक्यांश से किया गया है। भारत सरकार के वन्यजीव निवास के समन्वित विकास के तहत किए जा रहे प्रजाति रिकवरी कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित 17 प्रजातियों में गोडावण भी सम्मिलित है।

राजस्थान में यह जैसलमेर के मरू उद्यान, सोरसन (बारां) व अजमेर के शोकलिया क्षेत्र में पाया जाता है। यह पक्षी अत्यंत ही शर्मिला है और सघन घास में रहना इसका स्वभाव है। यह पक्षी सोन चिरैया, सोहन चिडिया तथा शर्मिला पक्षी के उपनामों से भी प्रसिद्ध है। गोडावण का अस्तित्व वर्तमान में खतरे में है तथा इसकी बहुत ही कम संख्या बची हुई है अर्थात यह प्रजाति विलुप्ति की कगार पर है। राजस्थान में अवस्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान में गोडावण की घटती संख्या को बढ़ाने के लिए आगामी प्रजनन काल में सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। राष्ट्रीय मरु उद्यान (डेजर्ट नेशनल पार्क) 3162 वर्ग कि.मी. में फैले इस पार्क में बाड़मेर जिले के 2० ग्राम पंचायतों में 59 ग्राम और जैसलमेर के 12 ग्राम पंचायतों में 39 ग्राम पूर्ण व आंशिक रूप से सम्मिलित है। उक्त गांवों की कुल जनसंख्या (वर्ष 2०11 की जनगणना अनुसार) 7171० व पशुधन की संख्या लगभग 448००० है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह राजस्थान का सबसे बड़ा अभयारण्य है। इसकी स्थापना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अर्न्तगत वर्ष 198०.81 में की गई थी। राजस्थान में सर्वाधिक संख्या में गोडावण पक्षी इसी उद्यान में पाए जाते हैं। इसलिए इस अभयारण्य क्षेत्र को गोडावण की शरणस्थली भी कहा जाता है।

गोडावण वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 के शिड्यूल-1 का प्राणी है। गोडावण पक्षी प्राकृतिक रूप से धीमी गति के प्रजनन करने वाले पक्षी है जो कि अमूमन साल में मात्र एक अंडा देते हैं। और ये अकाल के समय अंडा नहीं देते हैं। यह पक्षी बिना घोंसला बनाए जमीन पर खुले में अंडा देता है। जिस कारण अंडे को परभक्षियों से अधिक खतरा रहता है। इसके अतिरिक्त हाईटेंशन लाइन से टकराकर मृत्यु होना गोडावण की संख्या कम होने का एक प्रमुख कारण बन कर उभर रहा है। ऐसे में इस पक्षी को बचाने की सख्त जरूरत है। साथ ही सोलर प्लांट लगाने वाली कंपनियों को पाबंद किया जाए कि वे अपने प्लांट परिसर में वन्यजीवों को बचाने के लिए उपाय करें। एक समय थाए जब राजस्थान की पहचान वन क्षेत्र में गोडावण से होती थी लेकिन आज प्रदेश के अधिकांश जिलों में गोडावण की संख्या शून्य हो गई है। अब थोड़े बहुत गोडावण पक्षी बाड़मेरए जैसलमेर के मरुस्थलीय क्षेत्रों में रह रहे हैं। यहां भी सोलर प्लांट और पवन चक्कियों के पंखों की वजह से गोडावण की संख्या लगातार घट रही है।

अभयारण्य में वनस्पतिक विविधता में कुल 245 प्रजाति के पेड़ पौधे, झाड़ी व विविध प्रजातियों की घास शामिल हैं। यहां पर मूलरूप से झरवेरी, खेजड़ी, जाल, केर, बड़बेर, आक, फोग, खींप तथा घास में सेवण व धामन मुख्य रूप से मौजूद हैं। वन्यजीवों में भी रेगिस्तानी प्रजातियों के वन्यप्राणी व पक्षी बहुतायत में पाए जाते हैं। यहां कुल 32 प्रजाति के स्तनधारी जीव, 4० प्रजाति के सरीसृप व 1०० से अधिक प्रजाति के पक्षी पाए जाते हैं। मुख्य रूप से चिंकारा, रेगिस्तानी लोमड़ी, सामान्य लोमड़ी, रेगिस्तानी बिल्ली, लिजार्ड, सांडा, वाइपर सांप, करैत सांप आदि के अलावा पक्षियों में दुर्लभ प्रजाति का पक्षी गोडावण व तिलोर के अतिरिक्त लुप्तप्राय पक्षी जैसे गिद्ध व बाज भी पाए जाते हैं।

रेगिस्तान के विपरीत माहौल में भी रहने वाले वन्य जीवों के बारे में वैसे तो समय-समय पर विभाग द्वारा विस्तृत जानकारी ली जाती है। प्रदेश के वन्य जीव प्रेमियों द्वारा भी कई बार केंद्र व राज्य सरकार को ज्ञापन देकर राज्य पक्षी गोडावण बचाने की अपील भी की गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोडावण को राज्य सरकार ने राज्य पक्षी घोषित कर रखा है लेकिन उसको बचाने और संरक्षण के लिए सरकार के पास कोई योजना नहीं है। जैसलमेर, बाड़मेर के मरुस्थलीय इलाकों में बड़ी-बड़ी कंपनियों को सोलर पार्क विकसित करने के लिए रियायती दरों पर भूमि दी जा रही है। इन सोलर प्लांटों की वजह से आए दिन गोडावण दुर्लभ पक्षियों की मृत्यु हो रही है। चूंकि गोडावण अन्य पक्षियों के मुकाबले में आकार में बड़ा होता है इसलिए बिजली के करंट की चपेट में जल्दी आता है। बड़ी कंपनियां लगातार सोलर प्लांट लगा रही हैं लेकिन वन्य पक्षियों के बचाव के लिए कोई उपाय नहीं कर रही है। ताजा जानकारी के अनुसार राज्य पक्षी गोडावण विश्व के दुर्लभतम पक्षियों में से एक है जो कि लुप्त होने के कगार पर है। भारत में इसकी बची हुई आबादी लगभग 15० पक्षियों में से अधिकतम राजस्थान के थार क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाते हैं। डेजर्ट नेशनल पार्क और अन्य महत्वपूर्ण गोडावण निवास क्षेत्रों में गोडावण की वैज्ञानिक जनगणना वर्ष 2०17 में कि गई थी। और गोडावण की जनसंख्या 128 पाई गई थी।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सू- दोकू क्र.86

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.85 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

मानव मन की जटिलता

कर्नाटक हाई कोर्ट ने 'जाओ फांसी लगा लो' कहने को आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में रखने से मना कर दिया। अदालत आपत्तिजनक बयानों से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले की जटिलताओं को दूर करने के मुद्दे पर विचार कर रही थी।

तटीय कर्नाटक के उडुपी में गिरजाघर में पादरी की मौत के सिलसिले में हत्या के लिए उकसाने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर अदालत ने यह कहा। आरोप है कि पादरी और याचिकाकर्ता की पत्नी के दरम्यान दैहिक संबंध थे। दोनों के बीच हुई बहस में उसने पादरी को मरने के लिए कहा।

एकल जज की पीठ ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व निर्णयों के आधार पर कहा सिर्फ बयानों को उकसाने वाला नहीं माना जा सकता। अदालत ने पिता और पादरी होने के बावजूद मानव मन की जटिलताओं का जिक्र करते हुए मामले को खारिज कर दिया। जिम्मेदार और धार्मिक पद पर होने के बावजूद सामाजिक मूल्यों का अनादर करने वाला शख्स आत्मग्लानि के चलते भी जिंदगी समाप्त कर सकता है। अपने समाज में साल दर साल आत्महत्याओं के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार सिर्फ एक साल (2०22) में प्रति दिन 468 लोगों ने अपनी जान ली। खुद की जान लेने वालों में युवाओं की संख्या बढ़ती जा

रही है। खासकर सामाजिक-पारिवारिक कारणों से लोग खुदकुशी कर लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अपनी जिंदगी से उकता कर, निराश होकर या आवेश में आत्महत्या करने वाले भी मानसिक तौर पर इसके लिए तैयार होते हैं, जिसके संकेत वे लगातार अपने करीबियों, परिवार या मित्रों को देते रहते हैं, जिसकी प्राय- अनदेखी की जाती है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मानसिक प्रताडऩा, उलाहनों, उत्पीडऩ और दोष मढ़े जाने से आजिज आकर भी लोग अपनी जान ले लेते हैं। मगर इस मामले में केवल कहासुनी के दौरान मरने का ताना देना ही काफी नहीं कहा जा सकता। आत्म-गलानि भरे उपासकों के पाप-स्वीकरण सुनने वालों के प्रति आम जन जो सम्मान का भाव रखता है, उसका दुष्चरित्र होना, सामाजिक तौर पर अस्वीकृत और तिरस्कृत होता है। इसी सब से भयभीत होकर मृतक को यह कदम उठाना पड़ा होगा।(आरएनएस)

शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहन इंटरनेट पर आग दी लगा

एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका लुक देखकर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

अपनी क्यूटनेस और चुलबुले अंदाज से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस शहनाज के हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं तो चंद ही मिनटों में फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स आने लगते हैं। हालांकि कई बार ऐसा भी होता है जब नेटिजन्स उन्हें ट्रोल भी करने लगते हैं।

हाल ही में शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज देखकर फैंस दंग रह गए हैं। साथ ही उन्हें ट्रोल करते हुए कॉमेंट्स कर रहे हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो सिंड्रेला लुक देने की कोशिश कर रही हैं। वहीं उनके पोज को देखकर एक यूजर ने लिखा है- इज्ज़त महंगी चीज है इसे ऐसे नहीं दिखाते हैं। दूसरे यूजर ने लिखा है- ये क्या बवाल है। तीसरे ने लिखा है- ऐसे पब्लिक में पोज नहीं देते हैं।

शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक देखने के लिए फैंस भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

शहनाज गिल अपना फोटोशूट करवाते हुए कैमरे के सामने एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरन का पारा गर्म कर रही हैं।

शिकायतकर्ता का नाम सार्वजनिक करने पर संयुक्त नागरिक संगठन ने जतायी नाराजगी

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने पेयजल के दुरूपयोग को रोकने की शिकायत करने वाले का नाम सार्वजनिक करने पर नाराजगी प्रकट की।

आज यहां राजधानी मे भूजल के गिरते स्तर की गंभीर स्थिति में पेयजल के दुरुपयोग(निर्माण कार्य आदि)को रोकने हेतु जल संस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में शिकायतकर्ताओं का नाम गोपनीय रखे जाने की मांग करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से सचिव पेयजल तथा महाप्रबंधक को लिखी पाती। इसमे बताया गया कि निर्माण कार्यों में पेयजल के दुरुपयोग को रोकने तथा इस कार्य हेतु दून के कारगी संयंत्र के शोधित पानी का उपयोग ही करने के संबंध में जल संस्थान द्वारा निर्देश जारी किए गए है पर इनका अनुपालन जनजागरूकता और खुद कर्तव्यबोध के अभाव मे नही हो रहा है।यदि कहीं निर्देशों की अवहेलना हो रही है तो ऐसे मामलों में मामला विभागीय संज्ञान मे लाने पर आरोपियों के समक्ष ही शिकायतकर्ता का नाम का खुलासा विभागीय अधिकारियों द्वारा ही किए जाने पर यह जानलेवा भी बन सकता है।

इसकी बानगी बताते हुए संगठन के महासचिव सुशील त्यागी ने कहा है की दून के चुक्खुवाला में होटल के समीप निर्माण कार्य में पेयजल के दुरुपयोग पर कुलदीप सिंह ललकार निवासी चुक्खुवाला, टीकेजी रोड, देहरादून द्वारा जल संस्थान के एई व जेई से शिकायत की गई। इन्होंने आरोपियों को ललकार का नाम सार्वजनिक किया जिसके परिणामस्वरूप आरोपियों ने 20, 21 मई 24 को शिकायतकर्ता को बुरी तरह डराया धमकाया गया जिसके प्रमाण सहित ललकार द्वारा पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत की गई है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। त्यागी का कहना है की जल संस्थान के अधिकारी ही अपने विभागीय हित में सहयोगी बने शिकायतकर्ताओं,जनसेवको के विरुद्ध ही यदि अवधारणा रखेंगे तो भविष्य में कौन जनसहयोग करने का साहस कर सकेगा? दोषी अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करते हुए शिकायतो की गोपनियता बनाये रखने हेतु कठोर निर्देश जारी किये जायें।

कांग्रेसजनों ने किया पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को पुण्यतिथि पर याद

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर शरबत वितरण किया।

आज यहां आधुनिक भारत के निर्माता भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने शरबत वितरण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। शरबत वितरण करने वालों में, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सुनिता प्रकाश, सुलेमान अली, मोहन कुमार काला, नवीन रमोला, ललित भद्री, राजेश चमोली, नीतीन चंचल, ओम प्रकाश सती बब्बन, संजय कद्दू, सूरज क्षेत्री, मनीष वर्मा, मोहित मेहता मौ.फैसल, रोहित राणा, उदवीर पंवार, अनिल बागड़ी, मौहम्मद सलमान आदि मौजूद रहे।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अभिनव त्यागी ने बताया कि आग ने विकराल रूप धारण किया हुआ था। आग लगने से केवल कंपनी को नुकसान पहुंचा है। कोई भी कर्मचारी नहीं अंदर फंसा था। आग से कोई जनहानि भी नहीं हुई है। टीम ने आग पर काबू पा लिया है। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आ पाया है। बहरहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है जिसमें लाखो रूपये के सामान के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

लिव इन पार्टनर ही निकला महिला...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

एक सूचना के आधार पर उक्त संदिग्ध महिला व पुरूष को बीती शाम खडखडी के पास से हिरासत में ले लिया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम रोशन कुमार कामत व खुशबु कुमारी बताया। बताया कि मृतका की शादी बिहार निवासी मोनू कुमार से हुयी थी। लेकिन 02 साल पहले वो वहां से भागकर हरियाणा आ गयी और रोशन के साथ लिवइन में रहने लगी। कुछ समय बाद रोशन की शादी किसी अन्य युवती (खुशबु) से हो गयी। शुरुआत में गांव में रही रही खुशबु जब अपने पति के साथ रहने हरियाणा आयी तो अवैध संबंधों की जानकारी होने पर खुशबु ने एतराज जताया। अलग रहने को कहने पर अक्सर रोशन और पूजा के बीच झगडे होने लगे। इस बीच जब तीनों बच्चे सहित घुमने हरिद्वार आये और मनसा देवी दर्शन के लिए गए तो एक बार फिर रोशन और पूजा के बीच झगडा होता देख खूशबू बच्चे को लेकर आगे चली गयी। इस बीच रोशन ने गला दबा कर पूजा की हत्या कर दी और शव को नीचे खाई मे फेंक दिया था। जिसके बाद खुशबू व रोशन वापस गुरूग्राम भाग गये।

सवाल: कैसे पटरी पर आएगी चार धाम व्यवस्था ?

❑तमाम नियम कानून के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात

❑धामों में अभी भी पहुंच रही है भारी भीड़, कब तक रहेंगे रजिस्ट्रेशन बंद, यात्री बेहाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम की व्यवस्थाओं को कैसे दुरुस्त किया जाए यह सवाल शासन-प्रशासन के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। यात्रा में उमड़ने वाली भीड़ को संभाल पाना असंभव होता जा रहा है। सरकार नई एसओपी के साथ व्यवस्था सुधारने में जुटी जरूर है लेकिन न यात्रियों की संख्या में कमी आ रही है न उनकी परेशानियां कम होती दिख रही हैं।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किये जा चुके हैं तथा किसी भी यात्री को बिना रजिस्ट्रेशन व हेल्थ चेककप के यात्रा पर नहीं जाने दिया जा रहा है। करीब 8 बजे के बाद गंगोत्री व यमुनोत्री जाने तथा 11 बजे के बाद सभी धामों की यात्रा पर रोक व रील बनाने पर पाबंदी तथा मोबाइल पर रोक के साथ वीआईपी दर्शनों पर रोक के बाद भी हालत जस के तस बने हुए हैं। न तो यात्रा मार्ग पर जाम से मुक्ति मिल पा रही है न यात्रा मार्गों पर फैली गंदगी को साफ किया जा पा रहा है। अभी हालात इस कदर खराब है कि कल 30 हजार श्रद्धालुओं के केदारनाथ व 28 हजार के बद्रीनाथ एवं गंगोत्री यमुनोत्री धामों में 10 व 12 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की बात कही जा रही है।

सीएम धामी का कहना है कि ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर अभी 31 मई तक रोक लगाई गई है लेकिन हालात नहीं सुधरते हैं तो यह रोक जारी रहेगी। क्योंकि धामों में वहन क्षमता से अधिक यात्री पहुंचने के कारण ही व्यवस्थाएं बिगड़ी है। वही रजिस्ट्रेशन पर रोक की सही समय पर जानकारी न दिये जाने से हरिद्वार ऋषिकेश में यात्रियों का पहुंचना जारी है, कोई चार दिन से तो कोई आठ दिन से यहां रुका हुआ है फिर भी रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका है। कल एक टूर ऑपरेटर ने जो 50 यात्रियों के साथ 10 दिन पहले यहां आया था लेकिन रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण आगे नहीं जा पा रहा है, आत्मदाह का प्रयास किया गया। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है, मगर उसका कहना है कि वह 50 लोगों के रहने खाने की व्यवस्था कब तक कर सकता है अन्य तमाम राज्यों से आए यात्रियों का भी यही कहना है कि वह यात्रा करने आए थे यहां डेरा डालने नहीं आये थे कि खाए और सोते रहे?

मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि हर साल 10-10 लाख यात्री संख्या बढ़ रही है तथा चार धाम यात्रा हमारे पहाड़ की लाइफ लाइन है इसके लिए एक नई अथॉरिटी बनाई जाएगी लेकिन यह सब जब होगा तब होगा फिलहाल की समस्या का क्या समाधान है सवाल यह है। यात्रा मार्गों पर कूड़े कचरे के ढेर लग चुके हैं। पेयजल और शौचालय की व्यवस्थाएं डांवा-डोल हो चुकी है। यात्री अव्यवस्थाओं से परेशान है। इन अव्यवस्थाओं के लिए वह शासन प्रशासन को कोस रहे हैं।

आठवें योग वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

देहरादून। आठवें योग वार्षिकोत्सव का दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक आचार्य डॉ बिपिन जोशी और निदेशक डील (डीआरडीओ) एल. सी. मंगल ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया है।

डील में निरंतर नि:शुल्क योग क्लास संचालित की जा रही है। आज आठवें योग वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक आचार्य डॉ बिपिन जोशी, निदेशक डील(डीआरडीओ) एल. सी. मंगल, ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर डॉ जोशी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु बनाने का संकल्प योग और ध्यान को जीवन का अंग बनाकर ही पूर्ण किया जा सकता है उन्होने कहा आंतरिक शांति से ही बाह्य शांति संभव है, विश्व में बढ़ते युद्धों, अलगाववाद, आतंकवाद आदि को रोकने के लिए योग और ध्यान सबसे प्रभावी हथियार बन सकता है उन्होने 21 जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस के लिए अभी से जोर शोर से जुड़ने का आह्वान किया। निदेशक डील एल. सी. मंगल ने शाल ओढ़ाकर जोशी का डील सभागार में स्वागत अभिनंदन किया ओर योग को सही तरीके से जीवन जीने का सबसे बड़ा माध्यम बताया साथ ही 21 जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस को बड़े स्तर पर मनाने की घोषणा की। भारतीय योग संस्थान से जुड़े साधकों ने योग आसनों, ध्यान के सुंदर प्रदर्शन के साथ-साथ सरस्वती बंदना, योग गीत आदि का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड पावर कार्पोरेशन के वरिष्ठ इंजीनियर प्रशांत बहुगुणा, श्रीमती सुषमा मंगल, श्रीमती सरिता यादव, कार्यक्रम संयोजक डॉ त्रिलोक सैनी, भारतीय योग संस्थान जिला प्रधान सुधीर वर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

विवेकानंद विद्या मंदिर के टॉपर्स हुए सम्मानित

हमारे संवाददाता

धारचूला। सामुदायिक पुस्तकालय की टीम द्वारा विवेकानंद विद्या मंदिर के कक्षा 6 से इंटर तक के टॉपर्स विद्यार्थियों को आज जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई। जिसमें सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास के बारे में जानकारी साझा की गई।

विवेकानंद विद्या मंदिर में आयोजित कार्यशाला से पूर्व विद्यालय के 92 प्रतिशत अंक के साथ टॉपर्स कक्षा 6 के मयंक धामी, 91 प्रतिशत अंक के साथ टॉपर्स कक्षा 7 के युवराज सिंह धामी, 96 प्रतिशत अंक के साथ टॉपर्स कक्षा 8 के दिव्यांशु भट्ट, 94 प्रतिशत अंक के साथ टॉपर्स कक्षा 9 की रोशनी धामी, 93 प्रतिशत अंक के साथ टॉपर्स कक्षा 10 की अदिति पाठक, 91 प्रतिशत के साथ टॉपर्स कक्षा 11 के आयुष बिष्ट, 90 प्रतिशत के साथ टॉपर्स कक्षा 11 की

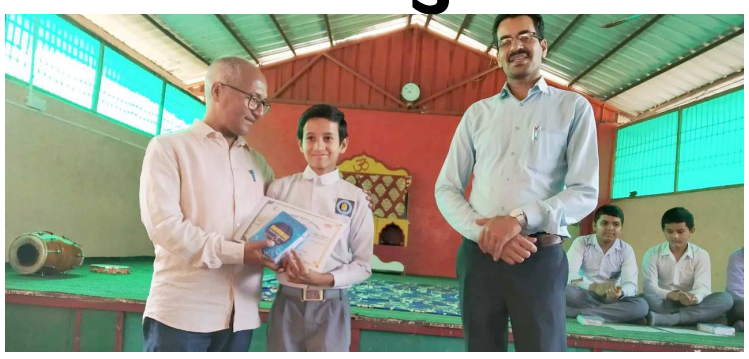

खुशी बिष्ट, 84 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 12 की निरुपमा धामी, 81 प्रतिशत अंक के साथ चंद्र सिंह को परीक्षा

❑विद्यार्थियों को दिया पुस्तकालय में आने का निमंत्रण

उत्तीर्ण करने पर जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 के रूप में प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल सिंह ने इस अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में कुछ नया सीखने और करने की प्रेरणा पैदा होगी।

वहीं जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि धारचूला नगर में खुल रहा पुस्तकालय इस क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी का केंद्र बने, इसके लिए जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से अधिक अभिभावकों का जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि सीमांत क्षेत्र के अभिभावक अभी अपने बच्चों के प्रति कम संवेदनशील नजर आ रहे है। इसलिए इस विचार को बदले जाने की आवश्यकता है।

एक नजर

यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोगों के लिए ग्रीन पैसेज की करें व्यवस्थाः अंशुमान

संवाददाता

देहरादून। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था एपी अंशुमान ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर रोके गये यातायात से स्थानीय लोगों को असुविधा न हो इस हेतु उनके वाहनों एवं आवश्यक वस्तुओं के वाहनों के आवागमन के लिये ग्रीन पैसेज की व्यवस्था की जाये।

आज यहां प्रचलित चारधाम यात्रा-2024 के दौरान यातायात को सुचारु एवं सुव्यवस्थित रुप से संचालित कराये हेतु अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था एपी अंशुमान उत्तराखण्ड द्वारा पुलिस मुख्यालय में वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से निदेशक, यातायात, पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र, पुलिस उपमहानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था/नोडल अधिकारी, चारधाम यातायात, वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली एवं सेनानायक, एसडीआरएफ एवं उक्त जनपदों के चारधाम यात्रा व्यवस्था में नियुक्त अपर पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपाधीक्षक के साथ बैठक आहूत कर चारधाम यात्रा एवं आगामी बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व के दृष्टिगत जनपद प्रभारियों द्वारा यातायात व्यवस्था के सुचारु रुप से संचालन के सम्बन्ध में की गयी तैयारियों की समीक्षा की गयी। तदोपरान्त अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा निर्देश दिये गये वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक, रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पौड़ी, टिहरी, देहरादून एवं हरिद्वार चारधाम यात्रा हेतु राज्य में आये श्रृद्धालुओं एवं उनके वाहनों आदि के सम्बन्ध में लगातर आपसी समन्वय करते हुए उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें, ताकि चारों धामों में श्रृद्धालुओं की क्षमता से अधिक भीड़ न हो सके। श्रीकेदारनाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धामों में श्रृद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ एवं यातायात का दबाव बढ़ने पर यात्रियों को श्रीनगर, चम्बा, ऋषिकेश, हरबर्टपुर एवं हरिद्वार में श्रृद्धालुओं के रोके जाने हेतु चिन्हित स्थलों पर रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। साथ ही होल्डिंग एरिया की संख्या में भी वृद्धि की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी जनपद प्रभारी अपने-अपने जनपदों में निर्धारित स्थलों पर रोके गये श्रृद्धालुओं को चारधाम यात्रा हेतु एक साथ न छोड़कर बैच बनाकर छोड़ना सुनिश्चित करें। चारधाम यात्रा मार्ग अपंजीकृत श्रृद्धालुओं के सम्बन्ध में अलग-अलग स्थानों पर चैकिंग कराते हुए अपंजीकृत श्रृद्धालुओं को वापस किये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। चारधाम यात्रा मार्ग पर रोके गये यातायात से स्थानीय लोगों को असुविधा न हो इस हेतु उनके वाहनों एवं आवश्यक वस्तुओं के वाहनों के आवागमन के लिये ग्रीन पैसेज की व्यवस्था की जाये।

पुणेः कार से कुचलकर 2 लोगों की जान लेने वाले नाबालिग के पिता गिरफ्तार

पुणे। पुणे में पोर्श कार हादसे में महाराष्ट्र पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस ने मंगलवार को औरंगाबाद जिले से आरोपी नाबालिग लड़के के रियल एस्टेट डेवलपर पिता विशाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने हाईकोर्ट से आरोपी पर वयस्क अभियुक्त के रूप में मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। पुलिस ने आरोपी के पिता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इससे पहले निचली अदालत ने पुलिस की अपील को खारिज कर दिया था। घटना 19 मई की तड़के सुबह की है। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में एक रियल एस्टेट डेवलपर के 17 वर्षीय बेटे ने अपनी स्पोर्ट्स कार पोर्श से बाइक सवार युवक-युवती को कुचल दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। घटना के 14 घंटे बाद आरोपी नाबालिग को कोर्ट से कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई। आरोपी के पिता विशाल अग्रवाल दर्ज होने के बाद फरार हो गया था। क्राइम ब्रांच ने विशाल को मंगलवार सुबह छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार कर लिया। विशाल को अब दोपहर तक पुणे लाया जाएगा। किशोर न्याय बोर्ड की निचली अदालत ने आरोपी नाबालिग को 14 घंटे के भीतर यह कहते हुए कि जमानत दे दी कि अपराध इतना गंभीर नहीं था कि जमानत देने से इनकार किया जा सके। अदालत ने रिहाई पर कुछ शर्तें भी तय कीं, जिनमें 15 दिनों तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करना होगा और सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव और उनके समाधान पर 300 शब्दों का निबंध लिखना शामिल है।

श्री बद्रीनाथ धाम पहुंचकर डीजीपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

❑यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

हमारे संवाददाता

चमोली। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड, अभिनव कुमार द्वारा चारधाम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं के दृष्टिगत श्री बद्रीनाथ धाम का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। श्री बद्रीनाथ धाम मन्दिर परिसर के आस-पास के स्थानों की सुरक्षा एवं मन्दिर के बाहर एवं अन्दर की सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा भीड़ नियंत्रण हेतु बनाये गये पुलिस प्रबन्धन का जायजा लिया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित किया गया।

इस दौरान उन्होने विषम परिस्थितियों में ड्यूटी कर रहे जवानों का हौसला अफजाई करते हुए निर्देशित किया गया कि चारधाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हमारे अतिथि के समान है, अतः हमें अतिथि देवो भवः की भावना के साथ यात्रियों की सुरक्षा एवं सहयोग करते हुए, श्री बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सहभागी बनकर उन्हें सुव्यवस्थित एवं कतारबद्ध तरीके श्री हरि के दर्शन कराकर उनकी सुखद यात्रा संपन्न करवानी है, साथ ही श्रद्धालुओं के साथ मधुर एवं विनम्र व्यवहार कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। बुजुर्ग, दिव्यांग और

बीमार श्रद्धालुओं के लिए मन्दिर समिति के सदस्यों से समन्वय स्थापित कर सुगमता से दर्शन कराने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस महानिदेशक द्वारा बताया गया है कि उत्तराखण्ड पुलिस आपकी यात्रा को सरल, सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए लगातार तत्पर है, कोई भी यात्री बिना रजिस्ट्रेशन व रजिस्ट्रेशन की तिथि से पूर्व यात्रा पर न आएं। उन्होने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस चारधाम यात्रा के लिए आ रहे सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। धामों में भीड़ के अत्याधिक दबाव के कारण वाहनों को विभिन्न जगहों पर रोका जा रहा है। इस यात्रा को यादगार और शांतिपूर्ण बनाने में उत्तराखण्ड पुलिस का सहयोग करे। इस दौरान उनके द्वारा चारधाम यात्रा के दृष्टिगत सीजन ड्यूटी में नियुक्त जनपद व बाहरी जनपदों से आये पुलिस बल के ठहरने हेतु आवासीय बैरिक, बिजली, पानी, शौचालयों की व्यवस्थाओं का भैतिक निरीक्षण किया गया।

श्री बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत चल रहे निर्माण कार्यों के कारण यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए सम्बन्धित निर्माण इकाई से समन्वय स्थापित कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु निर्देशित किया गया।

शादी का झांसा देकर बनाया हवस का शिकार, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

नैनीताल। शादी का झांसा देकर चार साल तक हवस का शिकार बनाने वाले पड़ोसी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। पीड़िता के अनुसार आरोपी से जब भी शादी की बात करो तो वह जान से मारने की धमकी दे रहा है।

जानकारी के अनुसार रामनगर क्षेत्रांर्तगत निवासी एक युवती ने थाना रामनगर में तहरीर देकर पड़ोस में रहने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि जब भी वह शादी करने की बात कहती है, आरोपी गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देता है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है, साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने पड़ोसी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए बताया कि युवक शादी का झांसा देकर चार साल से उसे हवस का शिकार बना रहा था। जब युवती ने शादी की बात कही तो वह मुकर गया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दे गया। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

डीजल चोरी मामले का खुलासा दो गिरफ्तार, दो फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सिडकुल पंतनगर क्षेत्र में हुए 400 लीटर डीजल चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, तमंचा, कारतूस, चाकू व चुराया गया 100 लीटर डीजल तथा अन्य सामान बरामद किया गया है। हालांकि अभी इस मामले में दो आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज संजीव मुंज्याल पुत्र शेरचंद्र निवासी महेशपुरा रुद्रपुर द्वारा थाना पंतनगर में तहरीर देकर बताया गया था कि 12 मई को हमारी गाड़ी माल लोड करने पंतनगर स्थित सिडकुल मे गई थी। माल लोड होने के बाद ड्राईवर नेस्ले कम्पनी के पास गाड़ी लगाकर सो गया। देर रात लगभग 2.30 बजे कुछ अज्ञात लोग डस्टर गाड़ी मे आये और हमारी गाड़ी की टंकी तोड़कर 400 लीटर डीजल चोरी करके ले गए। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस व एसओजी टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद एक सूचना के तहत जितेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी 120/2 बिशरत नगर थाना बिलासपुर जिला रामपुर उ.प्र. व नूर मोहम्मद पुत्र अशरफ निवासी बिशरात नगर थाना बिलासपुर जिला रामपुर उ.प्र. को ब्लाक रोड रुद्रपुर उधमसिंह नगर से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त 1 मोटर पम्प , 2 प्लास्टिक पाइप रंग नीला सफेद (लगभग 10 फुट, 7 फुट) , 3 प्लास्टिक की जरकीन में 100

❑घटना में प्रयुक्त कार, तमंचा, कारतूस, चाकू व अन्य सामान बरामद

लीटर डीजल व 1 खाली जरकीन, 2 पेंचकस, 1 लोहे का पलास ,1 हथौडी, 1 छैनी, 1 तंमचा, 1 कारतूस, एक चाकू व घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है। पूछताछ में उन्होने बताया कि उक्त घटना में सर्वजोत उर्फ साबा व गुरजोत निवासी बिलासपुर भी शामिल है। जिनकी तलाश जारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।